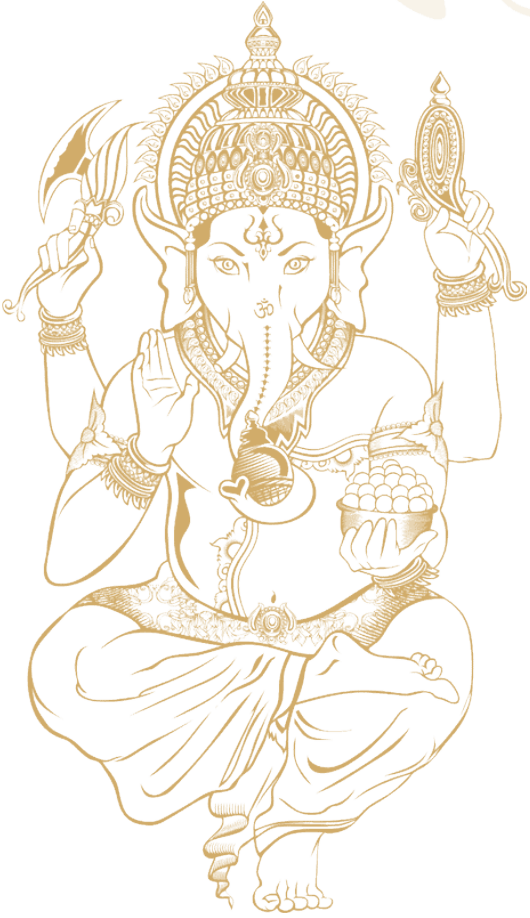

Divya joshi

03 Apr 1992

08:32 PM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 119151903

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 03/04/1992**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	**: 20:32:00 घंटे**
इष्ट	: 35:55:40 घटी
स्थान	**: Panipat**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:24:00 उत्तर
रेखांश	: 76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 20:09:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:03:15 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:58:37 घंटे
सूर्योदय	: 06:09:43 घंटे
सूर्यास्त	: 18:41:33 घंटे
दिनमान	: 12:31:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वसन्त
सूर्य के अंश	: 20:21:17 मीन
लग्न के अंश	: 14:57:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**: मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: रेवती - 3**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: ऐन्द्र
करण	: किंस्तुघ्न
गण	: देव
योनि	: गज
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सिंह
युँजा	: पूर्व
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: चा-चांदनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:57:58	307:49:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	20:21:17	00:59:08	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	25:17:45	12:52:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	11:19:03	00:46:31	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	मीन	06:25:41	00:30:30	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु	व		सिंह	11:59:54	00:04:50	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मीन	01:42:40	01:14:02	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			मक	22:23:05	00:04:52	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	10:23:44	00:12:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	10:23:44	00:12:53	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	नीच राशि
हर्ष			धनु	24:07:14	00:00:56	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:07:34	00:00:33	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	28:47:21	00:01:12	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	18:26:35	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:12

लग्न-चलित

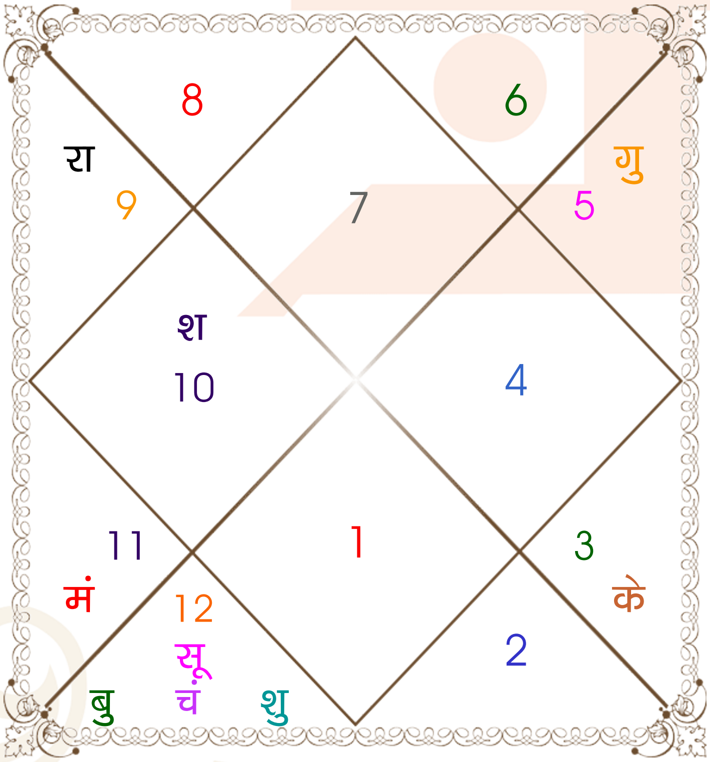

चन्द्र कुंडली

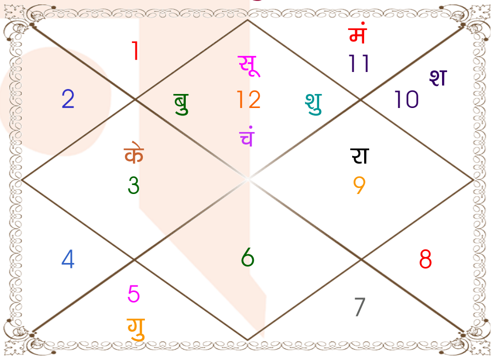

नवमांश कुंडली

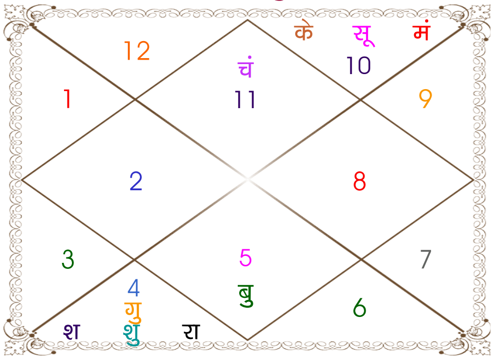

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 11 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
03/04/1992	03/04/1998	03/04/2005	03/04/2025	03/04/2031
03/04/1998	03/04/2005	03/04/2025	03/04/2031	03/04/2041
00/00/0000	केतु 30/08/1998	शुक्र 02/08/2008	सूर्य 21/07/2025	चंद्र 02/02/2032
00/00/0000	शुक्र 30/10/1999	सूर्य 03/08/2009	चंद्र 20/01/2026	मंगल 02/09/2032
00/00/0000	सूर्य 06/03/2000	चंद्र 03/04/2011	मंगल 28/05/2026	राहु 04/03/2034
00/00/0000	चंद्र 05/10/2000	मंगल 02/06/2012	राहु 22/04/2027	गुरु 04/07/2035
00/00/0000	मंगल 03/03/2001	राहु 03/06/2015	गुरु 08/02/2028	शनि 01/02/2037
03/04/1992	राहु 22/03/2002	गुरु 01/02/2018	शनि 20/01/2029	बुध 03/07/2038
राहु 18/04/1993	गुरु 26/02/2003	शनि 03/04/2021	बुध 26/11/2029	केतु 01/02/2039
गुरु 25/07/1995	शनि 06/04/2004	बुध 02/02/2024	केतु 03/04/2030	शुक्र 02/10/2040
शनि 03/04/1998	बुध 03/04/2005	केतु 03/04/2025	शुक्र 03/04/2031	सूर्य 03/04/2041

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
03/04/2041	03/04/2048	03/04/2066	03/04/2082	04/04/2101
03/04/2048	03/04/2066	03/04/2082	04/04/2101	00/00/0000
मंगल 30/08/2041	राहु 15/12/2050	गुरु 21/05/2068	शनि 06/04/2085	बुध 31/08/2103
राहु 17/09/2042	गुरु 09/05/2053	शनि 03/12/2070	बुध 15/12/2087	केतु 28/08/2104
गुरु 24/08/2043	शनि 15/03/2056	बुध 09/03/2073	केतु 23/01/2089	शुक्र 29/06/2107
शनि 02/10/2044	बुध 03/10/2058	केतु 13/02/2074	शुक्र 24/03/2092	सूर्य 04/05/2108
बुध 29/09/2045	केतु 21/10/2059	शुक्र 14/10/2076	सूर्य 06/03/2093	चंद्र 03/10/2109
केतु 26/02/2046	शुक्र 21/10/2062	सूर्य 03/08/2077	चंद्र 06/10/2094	मंगल 01/10/2110
शुक्र 28/04/2047	सूर्य 15/09/2063	चंद्र 03/12/2078	मंगल 15/11/2095	राहु 04/04/2112
सूर्य 03/09/2047	चंद्र 16/03/2065	मंगल 08/11/2079	राहु 21/09/2098	00/00/0000
चंद्र 03/04/2048	मंगल 03/04/2066	राहु 03/04/2082	गुरु 04/04/2101	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।